श्रावण मास, कृष्ण पक्ष 1 वर्ष, अंक 28, पृष्ठ 4, मूल्य 1.00

अखण्ड भारत सन्देश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज गुरूवार, 3 सितम्बर, 2020

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान की एक अनुपम भेंट

दुनिया के सबसे बड़े सिविल सेवा सुधार को हरी झण्डी

नई दिल्ली, जेएनएन। सरकार ने दुनिया के सबसे बड़े सिविल सेवा सुधार को हरी झंडी दे दी है। राष्ट्रीय सिविल सेवा क्षमता विकास के कार्यक्रम को 'मिशन कर्मयोगी' नाम दिया गया है। इन सुधारों से सिविल सेवा कर्मचारियों को अपनी क्षमता के सतत विकास का मौका मिलेगा और सरकार को बदली जरूरत के मुताबिक जिम्मेदारी संभालने वाले अधिकारी मिल सकेंगे। सूचना एवं प्रसारण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर के अनुसार, 'लोगों की अपेक्षाओं पर खरे उतरने वाले अधिकारी तैयार करना इसका मुख्य लक्ष्य है।'

वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस मिशन को सरकारी मानव संसाधन प्रबंधन में मौलिक सुधार करने वाला बताया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज मंत्रिमंडल के फैसले से सरकारी ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट प्रैक्टिस में मौलिक सुधार होगा। यह सिविल सेवा से जुड़े अधिकारियों की क्षमता बढ़ाने के लिए बुनियादी ढांचे के पैमाने और स्थिति का इस्तेमाल करेगा। एकीकृत सरकारी ऑनलाइन प्रशिक्षण मंच (आईजीओटी) मानव संसाधन प्रबंधन और निरंतर सीखने में मदद करेगा। मिशन कर्मयोगी का मकसद सिविल सेवकों को पारदर्शिता और तकनीक के जरिए अधिक रचनात्मक बनाना

है।

प्रकाश जावडेकर ने इसे सरकारी सेवाओं के सुधार की दिशा में दूसरा बड़ा कदम बताया। उन्होंने कहा कि पहले कदम के रूप में 'राष्ट्रीय भर्ती एजेंसी' गठित करके सरकारी सेवाओं में भर्ती प्रक्रिया को सरल बनाने का काम किया गया था, वहीं अब सरकारी नौकरी में आने के बाद कर्मचारियों की क्षमता के विकास का रास्ता तैयार किया गया है।

कार्मिक मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि अभी तक सिविल सेवा के अधिकारी नियमों में बंधे होते थे और उसी के तहत काम करते थे। नए सुधारों से अधिकारियों को नियमों के बंधन से मुक्ति मिलेगी और उन्हें पद की भूमिका के अनुरूप काम करने का मौका मिलेगा। जितेंद्र सिंह के अनुसार 'रूल टू रोल' तक के इस परिवर्तन से यह तय होगा कि किसी पद पर हमारा रोल क्या है। उन्होंने कहा कि इससे 'सरकार और जनता के बीच की खाई पाटने' में भी मदद मिलेगी।

'मिशन कर्मयोगी' की पूरी रूपरेखा बताते हुए जितेंद्र सिंह ने कहा कि इसके शीर्ष पर प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में 'प्रधानमंत्री मानव संसाधन परिषद' होगी जो पूरे मिशन के क्रियान्वयन की निगरानी करेगी। प्रधानमंत्री के अलावा कुछ केंद्रीय मंत्री, कुछ मुख्यमंत्री और देश-विदेश के विशेषज्ञ इस परिषद के सदस्य होंगे। 'प्रधानमंत्री मानव संसाधन परिषद' की सहायता के लिए एक 'क्षमता विकास आयोग' का गठन किया जाएगा। यह आयोग कर्मचारियों की क्षमता विकास के लिए सालाना योजना बनाने का काम करेगा। विभिन्न विभागों के अलग-अलग चल रहे ट्रेनिंग सेंटरों की निगरानी भी इसी आयोग के पास होगी।

देश के दो करोड़ से अधिक सिविल सेवा कर्मियों को ऑनलाइन ट्रेनिंग की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए विशेष एकीकृत सरकारी ऑनलाइन प्रशिक्षण प्लेटफार्म तैयार किया जाएगा। 'आइगॉट-कर्मयोगी' के नाम से इस प्लेटफार्म पर देश-दुनिया की बेहतरीन प्रशिक्षण सामग्री उपलब्ध होगी। कर्मचारी इस प्लेटफार्म पर अपनी इच्छानुसार प्रशिक्षण सामग्री चुनकर अपनी क्षमता का विकास कर सकते हैं।

सरकारी कर्मचारियों की क्षमता को मापने के लिए यहां टेस्ट की भी सुविधा होगी। इस पूरे प्लेटफार्म को चलाने का काम एक कंपनी करेगी जिसे 'विशेष प्रयोजन व्हीकल' (एसपीवी) कहा गया है। गैर-लाभकारी कंपनी के रूप में काम करने वाली एसपीवी कौशल विकास का प्रशिक्षण देने के लिए 432 रुपये सालाना की मामूली फीस भी लेगी। जितेंद्र सिंह के अनुसार विभिन्न विभाग खुद ही अपने कर्मचारियों के कौशल विकास के लिए फीस दे सकते हैं।

लोकप्रिय गेम पबजी पर बैन को लेकर अभिभावकों ने जताई खुशी

नई दिल्ली, जेएनएन। सीमा पर जारी तनाव के बीच केंद्र सरकार ने बड़ी कार्रवाई करते हुए लोकप्रिय ऐप टिकटॉक के बाद लोकप्रिय गेम पब्जी समेत कुल 118 चाइनीज ऐप्स पर बैन लगाया गया है। इस बार जिन चीनी ऐप्स पर बैन लगाया गया है उनमें पबजी के अलावा वीचैट वर्क और वीचैट रीडिंग, ऐपलॉक, लिविक, कैरम फ्रेंड्स जैसे मोबाइल ऐप शामिल हैं। अब तक कुल 224 चीनी ऐप्स पर प्रतिबंध लगाया गया है। इससे पहले सरकार ने 15 जून को 59 चीनी ऐप्स को बैन किया था। इसमें टिकटॉक और यूसी ब्राउजर जैसे लोकप्रिय ऐप शामिल थे। इसके बाद 47 ऐप्स पर प्रतिबंध लगाया गया। वहीं चाइनीज ऐप्स को भारत में तीसरी बार बड़ा झटका लगा है। इसके जरिए सरकार ने चीन को बड़ा आर्थिक झटका दिया है। लोकप्रिय गेम पब्जी पर बैन को लेकर अभिभावकों ने खुशी जताई है। उनका कहना है कि यह ऐप बच्चों और युवाओं पर नशे की तरह असर करता है। इस लेकर देश में काफी संख्या में बच्चों ने आत्महत्या तक कर ली। सोशल मीडिया पर इस प्रतिबंध को लेकर खुशी जताई और मोदी सरकार का शुक्रिया अदा किया। कई अभिभावकों का यह भी कहना है कि इन ऐप पर बैन काफी पहले लगाया जाना चाहिए था।

पबजी एक ऑनलाइन बैटलफील्ड गेम है। इसे एक से ज्यादा खिलाड़ियों के साथ ऑनलाइन खेला जाता है। इस आभासी युद्धक्षेत्र में सामने वाले

को हराना होता है। कई स्टेज में खेला जाना वाला यह गेम अक्सर जानलेवा साबित हुआ। भारत में इस गेम के चक्कर में कई किशोर व युवाओं ने जान गंवा दी।

चाइनीज ऐप्स पर बैन को लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की तरफ से जारी किए गए बयान में कहा गया कि ये सभी 118 मोबाइल ऐप्स भारत की संप्रभुता और अखंडता, रक्षा, सुरक्षा और सार्वजनिक व्यवस्था के लिए खतरा थे। भारतीय यूजर्स की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इन ऐप्स को बैन किया गया है।

मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि इन ऐप्स के बारे में कई शिकायतें मिली थीं। हमें कई ऐसी रिपोर्ट्स मिली थीं कि एंड्रॉयड और iOS प्लेटफॉर्म्स पर मौजूद कुछ मोबाइल ऐप यूजर्स के डेटा को चोरी कर रही हैं। उन्हें लगातार देश से बाहर स्थित सर्वर तक अवैध रूप से पहुंचा रहे हैं।आदेश में कहा गया है कि गृह मंत्रालय और इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंसर की ओर से भी इन ऐप्स पर बैन लगाने की मांग की गई थी।

लखनऊ में प्रापर्टी डीलर की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या

दो कार सवार आए बदमाशों ने दिया घटना को अंजाम

लखनऊ, जेएनएन। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में एक बार फिर बेखौफ बदमाशों का आतंक दिखाई दिया है। पीजीआइ थानाक्षेत्र में बुधवार को प्रॉपर्टी डीलर दुर्गेश की गोली मारकर हत्या कर दी गई। बताया जा रहा है कि दो स्कॉर्पियों कार से महिला समेत लगभग आधा दर्जन लोग प्रॉपर्टी डीलर से मिलने पहुंचे। इस दौरान रुपयों के लेनदेन को लेकर विवाद हुआ। सभी ने दुर्गेश को पीटना शुरू कर दिया। इसी बीच उसे गोली मार दी। उन्हें गंभीर हालात में ट्रामा सेंटर ले जाया गया। जहां उनकी मौत हो गई। पुलिस घटना के पीछे प्रापर्टी विवाद बता रही है। वहीं, हत्याकांड में मुख्य हत्यारोपित मनीष यादव को प्रतापगढ़ से गिरफ्तार कर लिया गया है।

मामला पीजीआइ थाना क्षेत्र में वृंदावन कालोनी सेक्टर-14 का है। यहां स्थित गृह विभाग में समीक्षा के पद पर तैनात अजय कुमार यादव का मकान है। मूलरूप से गोरखपुर के गोला गांव निवासी प्रापर्टी डीलर दुर्गेश यादव (32) स्विफ्ट कार से मंगलवार रात मकान में किराए पर रहने वाले दोस्तों ने मिलने के लिए आया था। आरोप है कि बुधवार सुबह पलक ठाकुर नाम की महिला

जांच पड़ताल करती पुलिस व इनसेट में मृतक की फाइल फोटो

अपने साथी मनीष और पांच-छह लोगों के साथ दो स्कॉर्पियों से वहां पहुंच गई। सभी लोग घर में घुस गए, उस समय दुर्गेश बाथरूम में था, जैसे ही वह बाहर निकला उसे पीटने लगे। घर के नीचे सड़क पर रुपये के लेनदेन में इनका आपस में विवाद हो गया। देखते ही देखते मनीष ने दुर्गेश को गोली मारी दी।

किरायेदार सोबेंद्र के मुताबिक, सुबह लगभग 8:30 बजे दो स्कॉर्पियों कार से महिला समेत पांच-छह लोग दुर्गेश को खोजते हुए आए। पहले उसके कमरे में किसी बात पर विवाद हुआ। उसके बाद सब लोग बाहर आ गए। इसी दौरान कहासुनी के बाद एक ने दुर्गेश के पेट में गोली मार दी।

मुख्य आरोपित प्रतापगढ़ में गिरफ्तार

हत्याकांड के मुख्य आरोपित मनीष कुमार यादव पुत्र सुशील कुमार को प्रतापगढ़ की नवाबगंज पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। फिरोजाबाद जनपद के मसीरपुर थाना अंतर्गत धनापुर गांव निवासी मनीष कुमार यादव इलाहाबाद हाईकोर्ट में वकील बताया जाता है। नवाबगंज पुलिस को वायरलेस पर सूचना मिली थी कि मनीष प्रयागराज की तरफ निकला है। ब्रहमौली बॉर्डर पर उसे लगभग 11:00 बजे पकड़ लिया गया। उसके पास से 32 एमएम की पिस्टल और पांच कारतूस की भी बरामदगी हुई है। हत्यारोपित ने पुलिस को बताया है कि दुर्गेश ने खुद को सचिवालय में सचिव बताकर उससे 67 लाख रुपये ले रखा था। इसे वह वापस नहीं लौटा रहा था। उधर, महिला पलक ठाकुर के एक करीबी को पुलिस ने हिरासत में लिया है। महिला की तलाश में दबिश दी जा रही है।

सात सितंबर को येलो लाइन और नौ को चलेगी ब्लू लाइन मेट्रो

नई दिल्ली, जागरण ब्यूरो। कोविड-19 महामारी के चलते साढ़े पांच महीने से बंद पड़ीं देश के 18 शहरों की 12 मेट्रो ट्रेनों का संचालन शुरू हो जाएगा। लेकिन महाराष्ट्र की मेट्रो व मोनो रेल को चलाने की इजाजत अभी नहीं दी गई है। जबकि दिल्ली मेट्रो रेल का तीन स्टेज के पांच चरणों में संचालन शुरू होगा। सात सितंबर को येलो लाइन और गुड़गांव की रैपिड मेट्रो चलेगी। जबकि नौ सितंबर को ब्लू लाइन की ट्रेनें दौड़नी शुरू होंगी।

केंद्रीय शहरी विकास मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बताया कि दिल्ली मेट्रो का संचालन को क्रमबद्ध तरीके से बढ़ाया जाएगा। इस दौरान यात्रियों के लिए दिशानिर्देश का पालन करना अनिवार्य होगा। मेट्रो रेल में यात्रा के

लिए हर यात्री को मास्क लगाना जरूरी है। बिना मास्क के पहुंचे तो स्टेशन से स्टेशन से ही महंगा मास्क खरीदना होगा। मेट्रो स्टेशनों पर सैनेटाइजर का उपयोग के साथ एक दूसरे दूरी बनाए रखने के लिए चिन्हित स्थानों पर खड़ा होने की अनुमति होगी।

शत प्रतिशत वीडियो कवरेज होने की वजह से केंद्रीय नियंत्रण कक्ष से हर एक पर कड़ी नजर रखी जाएगी। दिशानिदेर्शों का उल्लंघन और गड़बडी वाले स्टेशनों पर ट्रेनों का ठहराव नहीं होगा। कंटेनमेंट जोन वाले स्टेशन बंद रहेंगे। ट्रेनों का फ्रेक्वेंसी ढाई मिनट से बढ़ाकर पांच मिनट की जा सकती है। हर फेरे के बाद ट्रेनों को सैनेटाइज किया जाएगा। मेट्रो रेल के सभी कर्मचारियों सुरक्षा बल के लोगों की थर्मल जांच की जाएगी।

शहरी विकास सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा ने बताया कि संक्रमण से बचाव के बाबत यात्रा के लिए टोकन जारी नहीं होंगे। यात्रा केवल स्मार्ट कार्ड पर हो सकेगी। सभी यात्रियों को आरोग्य सेतु ऐप डाउनलोड करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। एक सप्ताह के संचालन की समीक्षा की जाएगी। मिश्रा ने बताया कि 12 सितंबर को दिल्ली मेट्रो का संचालन पूरी तरह सामान्य हो जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट ने छत्तीसगढ़ सरकार को करोड़ों रुपये के पीडीएस सिस्टम घोटाले पर जारी किया नोटिस

नई दिल्ली, प्रेट्र। करोड़ों रुपये के सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) घोटाले में एक गवाह की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने छत्तीसगढ़ सरकार से जवाब तलब किया है। इसमें आरोप लगाया गया है कि ट्रायल कोर्ट में मामले की कार्यवाही को बाधित करने की हर मुमकिन कोशिश की जा रही है। जस्टिस आरएफ नरीमन, जस्टिस नवीन सिन्हा और जस्टिस इंदिरा बनर्जी की पीठ ने 36 हजार करोड़ रुपये के इस कथित घोटाले में छत्तीसगढ़ सरकार, उसकी आर्थिक अपराध शाखा, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो और विशेष कार्य दल को नोटिस जारी कर चार हफ्ते में जवाब मांगा है। याचिका में इस मामले को राज्य से बाहर ट्रांसफर करने की मांग की गई है। शीर्ष अदालत रायपुर स्थित छत्तीसगढ़ राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के एक कर्मचारी गिरीश शर्मा की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें कहा गया था कि राज्य सरकार अदालत में मुकदमे की कार्रवाई को पटरी से उतारने का प्रयास कर रही है और उसका स्थानांतरण चाहती है। याचिकाकर्ता हजारों करोड़ के नागरिक आपूर्ति घोटाले में एक महत्वपूर्ण गवाह है, जिसे कुख्यात रूप से एनएएन (NAN) घोटाले के रूप में जाना जाता है।

देश में कोरोना ने पकड़ी तेजी, 38 लाख के पार संक्रमित

जेएनएन, नई दिल्ली। कोरोना वायरस के प्रसार ने तेजी पकड़ ली है। सोमवार को छोड़कर पिछले चार दिनों से लगातार 80 हजार के करीब नए मामले सामने आ रहे हैं। संक्रमितों का आंकड़ा देखते ही देखते 38 लाख को पार कर गया है। बुधवार को लगातार दूसरे दिन एक हजार से अधिक लोगों की जान भी गई। हालांकि, अच्छी बात ये भी है कि लगातार बड़ी संख्या में मरीज ठीक भी हो रहे हैं और स्वस्थ हुए मरीजों की कुल संख्या भी 30 लाख के करीब पहुंच गई है।

राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों से समाचार एजेंसियों व अन्य श्रोतों से रात नौ बजे तक मिले आंकड़ों के मुताबिक

मंगलवार देर रात से अब तक 79,931 नए मामले सामने आए हैं। मंगलवार को 79,954 और रविवार को रिकॉर्ड 80,078 नए केस मिले थे। सिर्फ सोमवार को ही 65 हजार से कुछ अधिक नए मामले मिले थे। इसके साथ ही कुल संक्रमितों का आंकड़ा 38 लाख 37 हजार 327 पर पहुंच गया है। इस दौरान 65,388 मरीजों को अस्पताल से छुट्टी भी मिली है और अब तक स्वस्थ हुए मरीजों की संख्या 29 लाख 57 हजार 252 हो गई है।

सक्रिय मामले आठ लाख 12 हजार 687 रह गए हैं। इस तरह सक्रिय मामलों से 21 लाख से अधिक मरीज कोरोना को मात दे चुके हैं। हालांकि, इस महामारी ने अब तक 67,388 लोगों की जान भी ले ली है। बुधवार को 1,008 मरीजों की जान गई, जिसमें सबसे अधिक महाराष्ट्र में 292, कर्नाटक में 113, आंध्र प्रदेश में 72, तमिलनाडु में 98, पुडुचेरी में 13, गुजरात में 12 और तेलंगाना में 10 मौतें शामिल हैं।

महाराष्ट्र में संक्रमण पर नियंत्रण लगता नहीं नजर आ रहा है। राज्य में पिछले कुछ दिनों से लगातार 15 हजार और उसके आस पास नए मामले मिल रहे हैं। राज्य में अब रिकॉर्ड 17,433 नए केस मिले हैं। तीसरी बार राज्य में 17 हजार से अधिक नए मामले सामने आए हैं। कुल संक्रमितों का आंकड़ा आठ लाख 25 हजार 739 हो गया है। अब तक 25,195 लोगों की मौत भी हो चुकी है। हालांकि, इस दौरान करीब 14 मरीजों को अस्पताल से छुट्टी भी मिली और स्वस्थ होने वाले कुल मरीजों की संख्या भी छह लाख के करीब पहुंच गई। डेढ़ लाख से कम ही सक्रिय मरीज रह गए हैं।

भारत के करीब कई सैन्य अड्डे बनाने में जुटा चीन, भारत को घेरने की है साजिश

नई दिल्ली, जेएनएन। पहले डोकलाम और अब पूर्वी लद्दाख में चीन ने जिस तरह का आक्रामक रवैया दिखाना शुरू किया है, क्या वह उसके बड़े गेमप्लान का हिस्सा है? इस सवाल का सीधा जवाब तो नहीं है लेकिन अमेरिकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन की तरफ से मंगलवार को वहां की संसद में पेश एक रिपोर्ट को खंगाला जाए तो बहुत कुछ स्पष्ट हो जाता है। इस रिपोर्ट का निष्कर्ष यही है कि चीन भारत को चारों तरफ से घेरने की पूरी रणनीति बना चुका है।

रिपोर्ट के मुताबिक चीन धीरे-धीरे अपनी रणनीति को अमल में ला रहा है। कम से कम दर्जन भर देशों में चीन अपने सैन्य अड्डे स्थापित कर रहा है जिसमें से कई भारत के निकट पड़ोसी हैं जहां चीन की गतिविधियां सीधे तौर पर भारत के हितों को प्रभावित करती हैं। इसमें पाकिस्तान तो शामिल है ही लेकिन श्रीलंका, म्यांमार, सिंगापुर, यूएई, सेशेल्स जैसे निकट के पड़ोसी देश भी हैं। इस रिपोर्ट में चीन का रक्षा बजट 174 अरब डॉलर और भारत का रक्षा बजट 61.7 अरब डॉलर बताया गया है। वैसे यह रिपोर्ट अमेरिका के रणनीतिक हितों को देखते हुए तैयार की गई है लेकिन इसमें चीनी सेना (पीपुल्स लिबरेशन आर्मी-पीएलए) की ताजा गतिविधियों का जितने विस्तार से जिक्र किया गया है उसके भारत के लिए खास मायने हैं।

जैसे इसमें चीन जिन वजहों से अपने न्यूक्लियर हथियारों को विकसित कर रहा है उसके लिए वह भारत को भी एक वजह मानता है।

इसमें यह भी बताया गया है कि चीन और भारत के बीच सीमा विवाद सुलझाने के लिए वर्ष 2019 में आयोजित वार्ता में चीन की तरफ से एक प्रस्ताव दिया गया था जिसे भारत ने खारिज कर दिया है। दोनों देशों ने सीमा विवाद सुलझाने के लिए विशेष प्रतिनिधियों की अगुवाई में एक समिति गठित की है जिसकी 22वीं बैठक पिछले वर्ष हुई थी। इसमें भारतीय पक्ष का नेतृत्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल करते हैं जबकि चीनी पक्ष का नेतृत्व विदेश मंत्री वांग यी करते हैं। पेंटागन की रिपोर्ट के मुताबिक चीन की तरफ से पहली बार सीमा विवाद सुलझाने का कोई प्रस्ताव दिया गया था। चीन की सेना म्यांमार, थाईलैंड, सिंगापुर, इंडोनेशिया, पाकिस्तान, श्रीलंका, यूएई, केन्या, सेशेल्स, तंजानिया, अंगोला व ताजिकिस्तान में अपने अड्डे बनाने की कोशिश में है। अभी दिजीबुती में चीन का सैन्य अड्डा है। इन सभी क्षेत्रों में सैन्य अड्डा बनाने का मकसद दूरदराज के क्षेत्रों में वर्चस्व स्थापित करना है।इस रिपोर्ट में पाक व चीन के बीच बढ़ते रणनीतिक गठजोड़ की भी पड़ताल है। बताया गया है कि चीन के लिए पाकिस्तान का बेहद रणनीतिक महत्व है। चीन की योजना यह है कि वह भविष्य में पाकिस्तान में स्थिति बंदरगाह व पाइपलाइन से अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करे ताकि भारत के दक्षिणी समुद्री इलाके में स्थिति हिंद महासागर स्थित समुद्री मार्ग पर निर्भरता खत्म हो। इसलिए चीन 'वन बेल्ट वन रोड' परियोजना को बढ़ावा दे रहा है।

ड्रग्स मामले में ठउइ ने मिरांडा व शौविक से जुड़े शख्स को किया गिरफ्तार

मुंबई, एएनआइ। अभिनेता सुशांत सिंह राजूपत की मौत के मामले ड्रग्स एंगल की जांच कर रही नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (ठउइ)ने अब्दुल बासित परिहार को मुंबई के बांद्रा इलाके से गिरफ्तार किया है। उसका कनेक्शन सुशांत के हाउस मैनेजर सैमुअल मिरांडा से बताया जा रहा है। मिरांडा पर मामले में मुख्य आरोपी रिया चक्रवर्ती के भाई शौविक चक्रवर्ती के कहने पर ड्रग्स खरीदने का आरोप है। इस केस से जुड़े जैद विलात्रा को भी गिरफ्तार किया है। जैद पर मुंबई के हाई-प्रोफाइल पार्टी में ड्रग्स सप्लाई करने का आरोप है।

जौनपुर-रायबरेली राजमार्ग पर स्कार्पियो पलटने से तीन की मौत

जौनपुर, जेएनएन। मछलीशहर कोतवाली क्षेत्र के जौनपुर-रायबरेली राजमार्ग स्थित परसपुर गांव के पास ठेला बचाने के चक्कर मे एक स्कार्पियो रात लगभग 11 बजे अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे खाई में पलट गई। इससे उसमें सवार तीन लोगों की मौत हो गई और पांच लोग घायल हो गए। घायलों में दो की हालत गम्भीर देखते हुए चिकित्सकों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

सिकरारा थाना क्षेत्र के नेवढ़िया गांव निवासी गुलाब चंद्र अपने परिजनों के साथ प्रतापगढ़ के शाहपुर गांव में एक कार्यक्रम में भाग लेने स्कार्पियों से गये थे।वहां से वापस आते समय स्कार्पियो ज्योहि

हादसे में घायलों का चल रहा इलाज

परसपुर गांव के समीप पहुंची एक ठेला वाले को बचाने के चक्कर अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे खाई में पलट गई। इस दौरान सवार लोगों की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए और स्कार्पियो में दबे लोगों को निकालना शुरू कर दिया। इस दौरान घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंच गई और घायलों को लेकर सीएचसी मछलीशहर पहुंचीं। जहां पर देखते ही चिकित्सकों ने नरेंद्र गौतम (46), गुलाब चंद्र (50) व मनोज सिंह (20) को मृत घोषित कर दिया। इसके साथ ही हादसे में हर्षित सरोज (16), बचई (52), संदीप (30) ,विशाल (18) व अभिषेक (20) गम्भीर रूप से घायल हो गए। घायलों में बचई व विशाल की हालत गम्भीर देख चिकित्सक जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

ग्रामीण अंचल

प्रयागराज गुरूवार, 3 सितम्बर, 2020

संक्षेप समाचार

दहेज में दो लाख की मांग न पूरी होने पर विवाहिता को मारा पीटा, मुकदमा दर्ज

मऊआइमा। दहेज में ससुरालियों द्वारा दो लाख नगदी एंव सोने की जंजीर की मांगने का आरोप लगाया है । मांग न पूरी होने पर मारा पीटा गया । विवाहिता ने पति सहित आधा दर्जन के खिलाफ दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज करा दिया है ।

मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम अलावलपुर निवासनीय सुनीता पटेल पत्नी मुन्ना लाल का आरोप है कि शादी के बाद से ससुराली उसको मामूली बात को लेकर मारते पीटते चले आ रहे हैं । सुनीता पटेल का आरोप है कि दो लाख और दो तोला सोने की जंजीर की मांग न पूरी होने पर ससुरालियों ने उसे मारा पीटा । सुनीता पटेल ने मऊआइमा थाने में पति मुन्नालाल, ससुर राम सजीवन, सास जयकली, ननदें गीता और रीता तथा देवर सुनील कुमार के खिलाफ दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज करा दिया है ।

फांसी लगाकर युवक ने की आत्महत्या, मचा कोहराम

शंकरगढ़। एक युवक ने अपने कमरे में फांसी लगाकर जान दे दी। घर वालों को जब तक पता चलता काफी देर हो चुकी थी।घर के कमाऊ सदस्य की मौत होने से घर में कोहराम मच गया। सूचना पर आई मुकामी पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर चीरघर भेज दिया।यह मामला शंकरगढ़ थाना क्षेत्र के शिवराजपुर का है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक शिवराजपुर निवासी नीलेश्वर त्रिपाठी 43 वर्ष पुत्र जगत नारायण त्रिपाठी टैक्सी चलाकर अपने परिवार का भरण पोषण करता था। बताया जाता है कि इन दिनों वह घर की किच-किच से परेशान था। बुधवार की सुबह वह टैक्सी लेकर बाहर गया था, परिजनों के मुताबिक अमूमन वह या तो दोपहर खाने के वक्त या शाम को घर आता था, लेकिन बुधवार तो वह सुबह कुछ ही देर में टैक्सी लेकर घर वापस लौट आया। उसके घर लौटने के बाद घर के सदस्य अपने-अपने काम में लग गए।उसी दौरान नीलेश्वर ने मौका देखते हुए अपने कमरे में जाकर फांसी लगा ली। कुछ समय बाद परिवार के अन्य लोग देखे तो शव पंखे से लटक रहा था। कमरे का नजारा देख घर में कोहराम मच गया। शोर सुनकर आसपास के लोग भी जमा हो गए। सूचना पाते ही मुकामी पुलिस मौके पर पहुंची और मौका मुआयना कर शव को नीचे उतारा और पंचनामा भरकर पीएम के लिए भेज दिया।

एसओ राजेश उपाध्याय ने बताया कि युवक घरेलू समस्याओं से परेशान था, इसी वजह से उसने फांसी लगाकर जान दे दी है। पति की मौत से पत्नी रेखा देवी और बच्चों का रो रो कर बुरा हाल है।

नशे में धुत युवक ने पत्नी को पीट किया अधमरा

घूरपुर। घूरपुर के पालपुर गांव मे नशे में धुत युवक ने पत्नी को लाठी डंडे से पीटकर अधमरा कर दिया। सूचना पर पुलिस पहुंची ने आरोपित युवक को मौके से गिरफ्तार कर केस दर्ज कर पीड़िता को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। पालपुर गांव निवासी संजय लाल पुत्र राम आसरे निषाद मजदूरी करता है। और शराब के नशे का लती है। मंगलवार की रात शराब के नशे में धुत हो घर पहुंच पत्नी सुषमा से विवाद कर लिया। और देखते ही देखते जमीन पर गिराकर लाठी डंडे से पिटाई कर अधमरा कर दिया। जिससे वह बुरी तरह घायल हो गई। बच्चे छुडाने पहुंचे तो बच्चों को भी पीट दिया। आसपास के लोगों ने बीच बचाव कर उसकी जान बचा पुलिस को सूचना दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपित युवक गिरफ्तार कर लिया। पीड़िता पड़ोसियों की मदद से अपने पांचों बच्चों के साथ थाने पहुंच शिकायती पत्र दिया। पुलिस ने उसे इलाज के लिए अस्पताल भेजा और गिरफ्तार आरोपित के खिलाफ केस दर्ज कर चालान कर दिया।

डम्फर व बस में भिड़ंत, एक की मौत, दस घायल

करछना। प्रयागराज मिर्जापुर मार्ग पर गधियाव गांव के समीप बुधवार सुबह 4.30 बजे वाराणसी से सवारी लेकर प्रयागराज की ओर जा रही उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की बस डंफर से सामने से भिड़ गई जिससे बस मे सवार 10 लोग गभीर रूप से घायल हो गये जबकि एक की मौत हो गई।सुबह का वक्त होने के कारण स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और 108 एम्बुलेंस और पुलिस को सूचना दी मौके पर पहुंची एम्बुलेस ने सभी घायलो को सीएचसी करछना ले आये इसके बाद सभी का इलाज करने के बाद स्वरूपरानी अस्पताल प्रयागराज के लिए रिफर कर दिया जबकि नाजुक हालत मे रहे एक यात्री को शहर ले जाते समय रास्ते मे ही दम तोड दिया। सोनभद्र निवासी पुरेन्दर श्रीवास्तव (60) पुत्र लेख सहाय की मौत हो गई जबकि घायलो मे गौतम यादव (30) गोविंद यादव (24) कपिल (38) निवासी कादी जिला गढवान झारखड, राम अवतार (33) बाघडीह देवसर सिगरौली, वीधू प्रजापति (45) कथुआ पलामू झारखड विनोद कुमार (54) बिसिधपुर गाजीपुर, रितेश (35) सिगरौली, प्रिया पटेल (16) पुत्री संतोष मधवापुर प्रयागराज, दीपू प्रजापति (45) पलम्बी झारखड आदि लोग गंभीर रूप से घायल हो गये प्राथमिक उपचार सीएचसी करछना होने के बाद सभी घायलो को जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। दुर्घटना के बाद काफी देर तक अफरा तफरी मची रही। एम्बुलेस के चालक विश्वनाथ और सहयोगी विपिन कुमार ने खुद घायलो को सामुदायिक स्वास्थ केन्द्र करछना ले आये प्राथमिक उपचार के बाद घायलो को जिला अस्पताल पहुचाया।घटना को लेकर करछना थाने मे कोई तहरीर नही दी गई है।

हाईकोर्ट समाचार

प्रभावित हुए बगैर सहमति पर लाना मध्यस्थता है: न्यायमूर्ति स्थालेकर

प्रयागराज। अदालतों में मुकदमों का बोझ, जरूरी मुकदमों की सुनवाई के लिए वर्षों का इंतजार, अनावश्यक मुकदमों को निपटाने में कोर्ट का जाया होता समय, इन्हीं सब बातों को लेकर मध्यस्थता के जरिये समझौते से मुकदमों के निपटारे के लिए अदालतों में मध्यस्थता केन्द्र खोले गये हैं। जहां दुर्घटना बीमा दावों, चेक अनादर, पारिवारिक झगड़ों जैसे मामले विशेषज्ञ टीम के प्रयास से आसानी से निपटाये जा रहे हैं। मध्यस्थता के सैद्धांतिक पहलुओं को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट के वरिष्ठ न्यायमूर्तियों के साथ अधिवक्ता अनूप कुमार श्रीवास्तव ने वेबनायर विमर्श का आयोजन किया। इस अवसर पर ई-मेडियेशन राइटिंग, मैग्जीन के चतुर्थ अंक का लोकार्पण भी किया गया। वेबनायर में इलाहाबाद हाईकोर्ट के वरिष्ठ न्यायमूर्ति अमित बी स्थालेकर ने कहा कि मध्यस्थ का कार्य दो पक्षों से प्रभावित हुए बगैर सहमति पर लाना है। इसमें मध्यस्थ की विश्वसनीयता, ईमानदारी, निष्पक्षता, निर्पेक्षता का विशेष महत्व है। उसे मनोवैज्ञानिक के रूप में प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। न्यायमूर्ति सुनीत कुमार ने कहा कि मध्यस्थ को कानून की अच्छी समझ होनी चाहिए जिसके अभाव में सही तरीके से न्यायपूर्ण मध्यस्थता कठिन है। वरिष्ठ अधिवक्ता नवीन सिन्हा ने कहा कि मध्यस्थ को प्रक्रियात्मक निष्पक्षता के साथ सकारात्मक पहल करनी चाहिए। वेबनायर में जूम ऐप व सोशल मीडिया के जरिये 169 बुद्धिजीवियों ने हिस्सा लिया। जिसमे नेपाल, बंगलादेश व सिंगापुर से लोग शामिल हुए। वेबनायर में अनूप कुमार श्रीवास्तव, नीरज उपाध्याय, राज लक्ष्मी सिन्हा, संदीप सक्सेना व थंकनचन ने भी अपने विचार रखे।

पीसीएस रिजल्ट के खिलाफ याचिका सरकार व आयोग से जानकारी तलब

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उ.प्र लोक सेवा आयोग प्रयागराज की पीसीएस परीक्षा 2018 के परिणाम में कथित हुई अनियमितता की चुनौती याचिका पर राज्य सरकार व आयोग से एक सप्ताह में जानकारी मांगी है। प्रतिपक्षी द्वारा कोर्ट को मांगी गयी जानकारी मुहैया कराने पर अदालत इस मामले की सुनवाई एक सप्ताह बाद करेगी। याची का कहना है कि आयोग ने विज्ञापन शर्तों के अनुसार मूल्यांकन में स्केलिंग प्रणाली का अनुसरण नहीं किया गया है। जिस कारण परीक्षा परिणाम निरस्त कर नियमानुसार स्केलिंग कर नये सिरे से परिणाम घोषित किया जाय। यह आदेश न्यायमूर्ति मनोज कुमार गुप्ता ने आलोक कुमार सिंह व आठ अन्य की याचिका पर दिया है।

सहा0 अध्यापिका की बर्खास्तगी व वेतन की वसूली पर रोक

प्रयागराज। बीआर अंबेडकर विश्वविद्यालय आगरा की फर्जी मार्कशीट पर नौकरी करने की आरोपी सहायक अध्यापिका की सेवा से बर्खास्तगी और उससे 53 लाख रुपये से अधिक के वसूली नोटिस पर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। कोर्ट ने बेसिक शिक्षा विभाग को निर्देश दिया है कि अध्यापिका को सेवा में वापस लेकर अगले आदेश तक उसे नियमित ?वेतन का भुगतान किया जाए। औरैया की सहायक अध्यापिका नीलम चौहान की याचिका पर न्यायमूर्ति पंकज भाटिया ने यह आदेश दिया है। याची के अधिवक्ता के मुताबिक याची ने बी आर आंबेडकर विश्विद्यालय से बीएड से डिग्री ली है। 14 दिसंबर 2009 को उसकी नियुक्ति प्राथमिक विद्यालय में बतौर सहायक अध्यापिका हुई। बाद में प्रोन्नति पाकर वह जूनियर हाईस्कूल में सहायक अध्यापिका हो गई। बेसिक शिक्षा अधिकारी औरैया ने 26 जून 2020 को कारण बताओ नोटिस जारी किया कि वह फर्जी मार्कशीट पर नौकरी कर रही है। याची ने नोटिस का जवाब दिया इसके बाद 29 जून 2020 को उसे सेवा से बर्खास्त कर दिया गया। तीन जुलाई 2020 को उसे 53 लाख 28 हजार 334 रुपये का वसूली नोटिस भी जारी कर दिया गया। अधिवक्ता का कहना था कि हाईकोर्ट एकलपीठ के आदेश के आधार पर विभाग ने फर्जी मार्कशीट वाले अध्यापकों की बर्खास्तगी और वसूली की प्रक्रिया प्रारंभ की थी। इस आदेश पर नीलम चौहान की स्पेशल अपील पर हाईकोर्ट की खंडपीठ ने 25 अगस्त 2020 को रोक लगा दी है। ऐसे बर्खास्तगी और वसूली आदेश दोनों ही औचित्यहीन हैं। कोर्ट ने याची का बर्खास्तगी आदेश रद्द करते हुए वसूली नोटिस पर भी रोक लगा दी है तथा उसे सेवा में लेकर नियमित वेतन का भुगतान करने का निर्देश दिया है।

एसएसबी कमान्डेन्ट का तबादला रोकने के एकल जज का आदेश रद्द

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट की खंडपीठ ने एसएसबी कमांडेंट का स्थानांतरण रोकने का एकल न्यायपीठ का आदेश रद्द कर दिया है। एकल पीठ ने कमाडेंट के स्थानांतरण पर मानवीय आधार पर रोक लगाई थी। जिसे खंडपीठ ने अनुचित करार देते हुए कहा कि सामान्य परिस्थिति में किए गए स्थानांतरण में अदालत के दखल देने का औचित्य नहीं है। केंद्र सरकार ने एकल न्यायपीठ के आदेश को विशेष अपील दाखिल कर चुनौती दी थी। अपील पर मुख्य न्यायमूर्ति गोविंद माथुर और न्यायमूर्ति एसडी सिंह की पीठ ने सुनवाई की। गोरखपुर में तैनात राकेश कुमार भारतीया एसएसबी में सहायक कमांडेंट (मेडिकल ऑफिसर) हैं। उनकी पत्नी भी गोरखपुर में ही इसी पद पर तैनात हैं। मई 2019 में उनका स्थांतरण छत्तीसगढ़ के अनंतराग में कर दिया गया। स्थानांतरण रोकने के लिए राकेश कुमार ने केंद्र सरकार को प्रत्यावेदन दिया। जिसे सरकार ने अस्वीकार कर दिया तो उन्होंने इसके खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की। एकल न्यायपीठ ने माना कि स्थानांतरण नौकरी का अहम हिस्सा है और अदालत विशेष परिस्थतियों के सिवाए इसमें हस्तक्षेप नहीं कर सकती । मगर राकेश कुमार के दिव्यांग बच्चे की देखभाल और उनकी पत्नी के पीजी कोर्स में दाखिले को देखते हुए कोर्ट ने स्थानांतरण पर रोक लगा दी थी। इस आदेश को केंद्र सरकार ने विशेष अपील में चुनौती दी। केंद्र सरकार का कहना था कि दोनों अधिकारी अपनी नियुक्ति के समय से लेकर हमेशा सॉफ्ट पोस्टिंग पर रहे हैं। विभाग की ओर से उनकी कठिनाई को देखते हुए कई बार उनको स्थानांतरण न करने की सहूलियत दी जा चुकी है। उनको पहली बार हार्ड पोस्टिंग दी गई है। खंडपीठ ने कहा कि याची को पहले भी विभाग की ओर से कई बार सहूलियतें दी जा चुकी हैं। अब विभाग अगर ऐसी सहूलियत देने को तैयार नहीं है तो यह पूरी तरह से प्रशासनिक मामला है। हाईकोर्ट का इस मामले में हस्तक्षेप का औचित्य नहीं है। स्थानांतरण आदेश में कोई कमी नहीं है। कोर्ट ने केंद्र सरकार की अपील स्वीकार करते हुए एकल पीठ का आदेश रद्द कर दिया है।

पुलिस की मिलीभगत से टोल प्लाजा की तरफ भेजी जा रही ट्रकें

करछना। क्षेत्र क रामपुर से कोहडार जाने वाली गाड़ियों को रामपुर के समीप पुलिस द्धारा जबरन रोक दिया जाता है और टोल कर्मियो को इसका फायदा पहुचाया जा रहा है। जिसे लेकर बुधवार को उपजिलाधिकारी करछना को एक मांग पत्र श्यामराज यादव ने ज्ञापन देते हुए माग की है कि टोल कर्मियो के इशारे पर पुलिस द्वारा रामपुर से गाडियो को सीधे टोल की तरफ मोड़ दिया जाता है जिससे काफी चक्कर लगाना पड़ता है और उनसे जबरन अवैध वसूली की जाती है जिसे तत्काल रोकने की माग की है।

शुआट्स केवीके में बकरी पालन पर व्यवसायिक प्रशिक्षण का समापन

नैनी, प्रयागराज। कृषि विज्ञान केन्द्र,शुआट्स, प्रयागराज में गरीब कल्याण रोजगार अभियान के अन्तगर्त बकरी पालन, पर व्यवसायिक प्रशिक्षण का समापन हुआ। हेड डा.एस.डी. मेकार्टी ने बताया कि किसान कैसे बकरी पालन को वैज्ञानिक तरीके से करें, बकरी पालन व्यवसाय से किसानों की आय दोगुनी से तिगुनी की जा सकती है। बकरी पालन शुरू कर रहे तो नस्ल की बकरियों का चयन करें। स्टॉल फीडिंग के लिए बरबरी बकरी पालें और अगर चराई के लिए रखना है तो सिरोही बकरी का चयन करें। अगर किसान बकरी पालन शुरू कर रहे हैं तो प्रशिक्षण जरूर लें ताकि पशुपालकों को पूरी जानकारी रहे और घाटा न हो।

वैज्ञानिक सुबोध यादव ने बताया कि जहां पर बकरी को बांधे वहां की एक या दो इंच परत मिट्टी की समय-समय पर पलट दें, जिससे उसमें जो परजीवी होते हैं, वो निकल जाते हैं। बाड़े की मिट्टी जितनी सूखी होती है उतनी ही बकरियों को बीमारियां कम होती है। इसके अलावा बकरियों को पानी से दूर रखा जाए। बकरियों के आहार प्रबंधन का रखें विशेष ध्यान-ज्यादातर किसान बकरियों के आहार प्रंबधन पर ध्यान नहीं देते हैं। वह उन्हें चरा कर बांध देते हैं, लेकिन ऐसा नहीं करना चाहिए। बकरियों को चराने के बाद उन्हें उचित चारा देना चाहिए, जिससे उनके मांस और दूध में वृद्धि हो सके। सबसे पहले बकरी का बच्चा पैदा होने के बाद उसे खीस (पहला दूध) जरूर पिलाएं। नवजात बच्चे को खीस पिलाने से कई रोगों का निदान हो जाता है। बच्चे का इम्यूनिटी सिस्टम मजबूत होता है जिससे मृत्युदर में कमी आती है। डा.एस.डी. मेकार्टी ने बताया कि वजन करके ही बकरियां बेचें तो लाभ होगा। जानकारी के अभाव में किसानों को बकरे के उचित दाम नहीं मिल पाते हैं।

बकरी पालन पर व्यवसायिक प्रशिक्षण देते विशेषज्ञ

चिकित्सकों को मास्क व सेनेटाइजर वितरित करते फाउंडेशन के लोग

एकल ग्रामोंत्थान फाउन्डेशन द्वारा बांटे मास्क एवं साबुन

करमा। एकल ग्रामोंत्थान फाउंडेशन के तत्वाधान में करमा क्षेत्र के बगबना स्थित स्वास्थ्य केन्द्र पर वृहद पैमाने पर कोरोना योद्धाओं के रूप में चिकित्सकों कों मास्क एवम सेनीटाइजर भेंट करके उत्साह वर्धन किया गया विदित हैं कि पुलिस, चिकित्सक, नर्सेज बहनें आदि कोरोना काल में अपने प्राणों की परवाह न करतें हुए आम जन के सम्मान एवम सुरक्षा में कार्य करतें रहें हैं पिछले तीन महीनों से निरन्तर एकल फाउंडेशन के तहत व्यापक पैमाने पर मास्क, साबुन इत्यादि वितरण किया जा रहा हैं। उक्त वितरण में सम्रिता पटेल, ज्ञान सिंह, मान कुमार आदि लोग सम्मिलित रहें ।

प्रोजेक्ट हरियाली ने पहली वर्षगांठ पर कराया पांच हजार पौधरोपण

प्रयागराज। प्रयागराज में एक वर्ष पूर्व शुरू हुए प्रोजेक्ट हरियाली की पहली वर्षगांठ लखनऊ में पांच हजार पौधों को ख्याति इंफ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड के साझे प्रयास से पुरसैनि में रोपित किया गया। जहां तीन साल के मास्टर विराज ने भी अपने नन्हे हाथों से पौधे लगाकर उज्जवल भविष्य की नींव रखने में अपना योगदान दिया।

प्रोजेक्ट हरियाली के सचिव व्यवसायी और समाजसेवी ऋषि अग्रवाल का कहना है कि इस बदलते समय में अगर हमने अपनी आदतों को नहीं बदला तो समय हमें पीछे ले जायेगा। पर्यावरण को आज संरक्षित नहीं किया गया तो आने वाली पीढ़ी इसका खामियाजा भुगत सकती है। इसी को ध्यान में रखते हुए ह्यप्रोजेक्ट हरियालीह्ल को साकार रूप देने की कोशिश है। श्री अग्रवाल का कहना है कि ह्लहम बदलें, समाज अपने आप बदल जायेगाह्ल। उन्होंने कहा कि हमारे सहयोगियों ने बहुत साथ दिया, जिनका तहेदिल से शुक्रगुजार हूं। वहीं अजय शर्मा का कहना है कि पौधरोपण करने एवं उसके सुरक्षा की जिम्मेदारी हम सभी की है। आज हम जो प्रकृति की मार झेल रहे हैं, वह आने वाली पीढ़ी इससे मुक्त रहे। कहा कि जैसे हम बच्चों को पाल-पोस कर बड़ा करते हैं, उसी प्रकार लगाये गये पौधों की देखभाल करने से ये बड़े होंगे।

सचिव श्री अग्रवाल ने ख्याति इंफ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक अंशुमान सिंह और बॉबी तिवारी का आभार प्रकट करते हुए कहा कि हम एक और एक मिलकर ग्यारह बन सकते हैं और बेहतर कल का निर्माण कर सकते हैं। प्रोजेक्ट हरियाली के बैनरतले आयोजित कार्यक्रम में प्रोजेक्ट हरियाली के आधार अजय शर्मा, अमित त्रिपाठी, विपिन अग्रवाल, प्रमोद बंसल, सौरभ अग्रवाल, संदीप, राहुल ठाकुर, इन्दुबाला, नीरजा ठाकुर, राम नरेश ठाकुर, आदि सदस्यों ने खुशी जाहिर किया है।

पौधरोपण करते हुए

आप पार्टी ने बिगड़ती कानून व्यवस्था पर किया प्रदर्शन

करछना। जिला कचहरी पर आम आदमी पार्टी की जिला इकाई ने धरना प्रदर्शन किया व डीएम महोदय को दस सूत्रीय ज्ञापन दिया । जिले की बिगड़ती कानून व्यवस्था व पत्रकारों के उत्पीड़न व महिलाओं पर हो रहे अत्याचार ।जिस प्रकार विगत माह से पत्रकारों पर हमला हो रहा है ।पत्रकारों को सुरक्षा मुहैया कराई जाए ।महिलाओं की आए दिन बलात्कार ,हत्याएं हो रही हैं।विगत माह में करछना में हत्याओं का सिलसिला लगातार जारी है ।जिसे पुलिस प्रशासन रोकने में असफल है।और स्वरूप रानी व कोटवा में वहां की व्यवस्था मजदूरों से भी बद्तर है ।ज्ञापन में पूरे जिले में कोरोना के बढ़ते हुए मामले को देखकर पूरे जिले में डोर टू डोर रेपिड टेस्ट किया जाए।व पशुओं का टीका करण किया जाए ।जिला अधिकारी के प्रतिनिधि ने एडीएम सिटी ने आश्वस्त किया कि आपकी मांगे पूरी की जाएंगी ।ज्ञापन देने वाले में जिला अध्यक्ष अल्ताफ अहमद ,जिला उपाध्यक्ष नेहा सिंह ,जिला महासचिव सर्वेश यादव, प्रदेश सचिव अंजनी मिश्रा । प्रदेश महासचिव दिनेश सिंह पटेल,आकाश सिंह , अध्यक्ष पूनम सिंह, ललिता अग्रवाल, जिला सचिव गोलू सोनकर । फैजी, अब्बास जी। महानगर प्रभारी ज्योति प्रकाश चौ बे आदि सैकड़ों लोगों ज्ञापन देने में शामिल रहे ।

बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर प्रदर्शन करते आप पार्टी के कार्यकर्ता

प्रधान पति से परेशान पूर्व प्रधान ने सीएम से लगाई गुहार

करछना। क्षेत्र के सेमरी तालुका पुरवा के मजरा सनाथ का पूरा निवासी पूर्व प्रधान काशी प्रसाद पाल ने आरोपित किया है कि गांव की वर्तमान प्रधान पति द्वारा रास्ते के विवाद को लेकर परेशान किया जा रहा जिसे लेकर सीएम से गुहार लगाई है। पूर्व प्रधान ने आरोप लगाया है कि उसके बारिश का पानी निकालने के लिए सपर्क मार्ग खोद दिया था जिसमे प्रधान ने उसपर मुकदमा दर्ज करा दिया। जिसकी जांच के लिए काशी प्रसाद ने सीएम पोर्टल पर शिकायत करते हुए सुरक्षा की गुहार लगाई है।

25वर्षों से निरंतर समाज के विकास में योगदान दें रहें अनिल विश्वकर्मा

करमा। लगभग दो दशक पूर्व यमुनापार के उभारी, बलापुर, कुशवाबारी, पतेवरा, हरिहरपुर समेत सैकड़ो गाँव के मेधावी विद्यार्थी आसपास विज्ञान वर्ग की पढ़ाई न कर पाने के कारण उन्हें बीच में ही शिक्षा से नाता तोड़ना पड़ता था किन्तु वर्ष 2004में अनिल विश्वकर्मा जी के सूझबूझ एवम दूरदर्शी सोच के साथ अपने पिता जी प्रेरणा से उन्होने बलापुर स्थित श्रीमती कमला स्मारक इंटर कालेज कों संचालित किये । श्री विश्वकर्मा जी पिछले 25वर्षों से विद्यार्थियों कों शिक्षित करनें का कार्य कर रहें किन्तु विद्यालय की स्थापना के पश्चात समाज कों शिक्षित करनें का मिशन और तेजी बढ़ गया । श्री विश्वकर्मा जी भी निजी मानना हैं कि शिक्षक बहुत ही जिम्मेदारी भरा प्रोफेशन होता जिसमें स्वयं का चरित्र, कर्तव्य निष्ठता बहुत मायने रखता हैं । श्री विश्वकर्मा के पढ़ाएं विद्यार्थी बहुसंख्यक मात्रा में डाक्टर, इंजीनियर, अधिकारी सहित विभिन्न क्षेत्रों में शीर्ष पदों पर विराजमान हैं श्री विश्वकर्मा नें एक सवाल के जवाब में जानकारी प्रदान करतें हुए बोले कि जिस समय छात्र अपने मुकाम कों हासिल करके अपनी सफलता की सूचना देते हैं तों वह भी स्वयं पर गर्व करतें हैं।

पंचायत भवन एवं सामुदायिक शौचालय निर्माण में अनदेखी

कौंधीयारा। जसरा विकासखंड के ग्राम पंचायत अतरसुइया में लगभग 20 लाख रूपए की लागत से पंचायत भवन एवं सामुदायिक शौचालय का निर्माण कराया जाना है जिसमें ग्राम प्रधान, अधिकारी एवं ठेकेदार की धन कमाऊ नीति के कारण मानक को दरकिनार कर घटिया निर्माण किया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार जसरा विकासखंड के ग्राम पंचायत अतरसुइया में पंचायत भवन एवं सामुदायिक शौचालय के निर्माण में गिट्टी भरतकूप की जगह लोकल पहाड़ की सफेद गिट्टी,घटीया बालू एवं ईट का इस्तेमाल हो रहा है वही बालू सीमेंट का अनुपात भी मानक के हिसाब से नहीं हो रहा है। गांव के ही विनोद कुमार मिश्र द्वारा संबंधित अधिकारियों के उच्च अधिकारियों को भी सूचित किया गया है उसके बाद भी कोई कार्यवाही नहीं हो रही जिससे ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है इससे ग्रामीणों में।

मानक के वितरीत हो रहा पंचायत भवन एवं सामुदायिक शौचालय का निर्माण

प्रयागराज हलचल

संक्षेप समाचार

जिम की महिला प्रशिक्षक की पिटाई मामले में एक गिरफ्तार

प्रयागराज। करेली थाने की पुलिस ने जिम की महिला प्रशिक्षक की पिटाई मामले में बुधवार को एक आरोपित को गिरफ्तार कर लिया, जबकि अन्य की तलाश जारी है। गिरफ्तार आरोपित करेली के करेला बाग निवासी उत्कर्ष उर्फ बाबी है, जबकि उसके भाई जीतू की तलाश जारी है। करेली क्षेत्र में स्थित जिम संचालक राजश्री मिश्रा एवं उसकी बेटी के साथ 27 अगस्त को जिम के अन्दर स्थानीय दबंग जीतू एवं उसके साथियों ने पिटाई की थी। इस सम्बन्ध में पीड़ित ने करेली थाने में दर्ज कराया। लेकिन, पुलिस मामले को ठंडे बस्ते डाल दिया था। इसी बीच पूरी वारदात का सोमवार को एक वीडियो वायरल होने के बाद मामले को गंभीरता से लेते हुए निरीक्षक अन्जनी कुमार श्रीवास्तव ने आरोपितों की तलाश में दबिश दी। मुख्य आरोपित तो नहीं मिला पाया, लेकिन उसके भाई उत्कर्ष को गिरफ्तार कर लिया गया।

मण्डलायुक्त ने विकास भवन का औचक निरीक्षण कर दिया निर्देश

उन्होंने दिव्यांगजन सशक्तीकरण कार्यालय, प्रशासनिक अधिकारी कार्यालय, हेल्प डेस्क, पत्र प्रेषण कार्यालय, जिला पंचायतराज अधिकारी कार्यालय सहित अन्य कार्यालयों का निरीक्षण किया

प्रयागराज। मण्डलायुक्त आर. रमेश कुमार बुधवार को विकास भवन पहुंचकर विभिन्न कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने पटल सहायकों को पत्रावलियों को व्यवस्थित ढंग से रखने तथा कार्यालय में नियमित रूप से साफ-सफाई की व्यवस्था बनाये रखने का निर्देश दिया है।

उन्होंने दिव्यांगजन सशक्तीकरण कार्यालय, प्रशासनिक अधिकारी कार्यालय, हेल्प डेस्क, पत्र प्रेषण कार्यालय, जिला पंचायतराज अधिकारी कार्यालय सहित अन्य कार्यालयों का निरीक्षण किया। पत्र प्रेषण कार्यालय में पहुंचकर उन्होंने डिस्पैच रजिस्टर एवं शिकायती रजिस्टर को देखा तथा पटल सहायकों को पत्रों के आने एवं सम्बंधित कार्यालयों को प्रेषित किये जाने की तिथि का उल्लेख करने का निर्देश दिया है। उन्होंने शिकायती रजिस्टर में प्रार्थनापत्रों के प्राप्त होने एवं सम्बंधित कार्यालयों को भेजन जाने तथा शिकायतों के निस्तारण की टिप्पणी को रजिस्टर में उल्लिखित किये जाने का निर्देश दिया। कहा कि जो भी पत्र आये तत्काल उनको सम्बंधित कार्यालय तक प्रेषित कर दिया जाये, जिससे समय से उनका निस्तारण हो सके। दिव्यांगजन सशक्तीकरण कार्यालय में उन्होंने सरकार द्वारा दिव्यांगजनों के लिए संचालित योजनाओं एवं उनके क्रियान्वयन की प्रगति के सम्बंध में जानकारी प्राप्त करते हुए पारदर्शिता के साथ पात्रों को लाभान्वित कराये जाने का निर्देश दिया है।

विकास भवन में निरीक्षण के दौरान कर्मचारियों से पूंछताछ करते मण्डलायुक्त

मण्डलायुक्त ने मुख्य विकास अधिकारी के कार्यालय कक्ष में विभिन्न विभागों की योजनाओं की समीक्षा की। पंचायतराज विभाग की योजनाओं की समीक्षा करते हुए बन रहे पंचायत भवनों के प्रगति के बारे में जिला पंचायतराज अधिकारी से जानकारी ली। कहा कि पंचायतराज भवनों का निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ समय से पूर्ण कर लिया जाये। जिन ग्राम पंचायतों में अभी तक जमीन की उपलब्धता नहीं हो पायी है, सम्बंधित तहसील के उपजिलाधिकारी से समन्वय स्थापित करते हुए जमीन की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए तत्काल निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाये। मण्डलायुक्त ने मुख्य विकास अधिकारी को भवनों की गुणवत्ता की जांच खण्ड विकास अधिकारी एवं जिला स्तरीय अधिकारियों की टीम गठित कर कराये जाने का निर्देश दिया। उन्होंने कृषि विभाग की योजनाओं की समीक्षा करते हुए किसान सम्मान निधि योजना से वंचित लाभार्थियों के प्रपत्रों को ठीक कराते हुए उनको लाभान्वित कराये जाने का निर्देश दिया।

समाज कल्याण विभाग की योजनाओं की समीक्षा करते हुए उन्होंने पेंशन योजनाओं को पात्रों को लाभान्वित कराये जाने तथा आश्रम पद्धति विद्यालयों का नियमित निरीक्षण करते हुए तथा वहां पर साफ-सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने का निर्देश दिया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी आशीष कुमार, जिला विकास अधिकारी सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सरांयममरेज में राजस्व और पुलिस टीम पर हमला

अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू होती इससे पहले कब्जा करने वालों ने शुरू किया पथराव

प्रयागराज। जिले के सरायममरेज थाना क्षेत्र के मीठूपुर गांव में पंचायत भवन के लिए चिह्नित जमीन पर हुए अतिक्रमण को बुधवार शाम हटाने पहुंचे राजस्व कर्मियों और पुलिस टीम पर पथराव कर दिया गया। अतिक्रमण करने वाले लाठी-डंडा लेकर भी टूट पड़े। इसमें दारोगा, सिपाही और कई राजस्व कर्मी चोटिल हो गए। दारोगा की बाइक को भी तोड़ डाला गया। तहसीलदार समेत अन्य कर्मचारियों ने किसी प्रकार अपनी जान बचाई। जानकारी पाकर मौके पर कई थानों की पुलिस पहुंची, तब जाकर स्थिति संभाली।

मीठूपुर गांव में पंचायत भवन के लिए कुछ समय पहले जमीन चिह्नित की गई थी। इस पर कुछ लोगों ने अतिक्रमण कर लिया था। कई बार इन्हें अतिक्रमण हटाने के लिए कहा गया, लेकिन कुछ नहीं हुआ। बुधवार को उच्चाधिकारियों के निर्देश पर तहसीलदार हंडिया राम प्रसाद त्रिपाठी राजस्व कर्मियों और सरायममरेज पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू होती इससे पहले कब्जा करने वालों ने पथराव शुरू कर दिया। राजस्व और पुलिसकर्मी पर लाठी-डंडा लेकर टूट पड़े।

दारोगा, सिपाही समेत चार जख्मी

इसमें दारोगा बनवारी लाल, सिपाही वीरेंद्र कुमार व दो राजस्व कर्मियों को चोटें आईं। तहसीलदार, लेखपाल अनिल जायसवाल, पंचायत सचिव योगेंद्र प्रताप सिंह समेत पुलिस कर्मियों ने किसी प्रकार अपनी जान बचाई। दारोगा बनवारी लाल की बाइक को भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया। काननूगो गुलाब मौर्या को बंधक बना लिया गया। इतना ही नहीं, अतिक्रमणकारियों ने अपने छप्परों को भी आग के हवाले कर दिया। मौके पर मौजूद इंस्पेक्टर भरत कुमार ने उच्चाधिकारियों को घटना की सूचना दी, जिस पर हंडिया पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। इंस्पेक्टर भरत कुमार का कहना है कि तहसीलदार की तहरीर पर कई के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज की गई है। साथ ही दर्जनों अज्ञात के खिलाफ भी केस लिखा गया है। कानूनगो को बंधक बनाने जैसा कोई मामला नहीं था। वे भीड़ से घिर गए थे, जिन्हें सकुशल निकाल लिया गया। स्थिति को देखते हुए गांव में पुलिस बल तैनात किया गया है।

ट्रक व विक्रम की टक्कर से अधेड़ की मौत

प्रयागराज। धूमनगंज थाना क्षेत्र के लाल बिहारा गांव के समीप बुधवार दोपहर सुबह ट्रक की टक्कर से विक्रम में सवार एक अधेड़ की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की। कौशाम्बी जनपद के कोखराज थाना क्षेत्र में मुजाहिदपुर गांव निवासी राम सिरोमणि पटेल (45वर्ष) पुत्र सुमरित पटेल खेती करके परिवार का भरण-पोषण करता था। बताया जा रहा है कि बुधवार सुबह एक विक्रम में सवार होकर प्रयागराज शहर के लिए घर से निकला। रास्ते में धूमनगंज थाना क्षेत्र के लाल बिहारा गांव के समीप एक ट्रक ने विक्रम में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि विक्रम में सवार राम सिरोमणि गम्भीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस उसे उपचार के लिए स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय ले जा रही थी कि उसकी रास्ते में ही मौत हो गई।

जिले में 376 नए संक्रमित मरीज मिले, तीन की मौत

प्रयागराज। पिछले दिनों की अपेक्षा बुधवार को कोरोना के नए मिलने वाले मरीजों की संख्या सबसे ज्यादा रही है। 24 घंटे में 376 नए कोरोना पाजिटिव केस मिले हैं। कोरोना का संक्रमण तेजी से बढ़ा है। हालात है कि अगस्त के शुरूआती दिनों में कोरोना के कुल 2569 थे, लेकिन एक माह में सात हजार मरीज बढ़ गए। अधिकांश लोग अभी भी इस गलतफहमी में जी रहे हैं कि कोरोना उनका कुछ नहीं बिगाड़ पाएगा, लेकिन कोरोना वायरस कितना खतरनाक है यह उन परिवारों से जान सकते हैं जिनके परिवार के किसी सदस्य की इस बीमारी के चलते मृत्यु हो चुकी है।

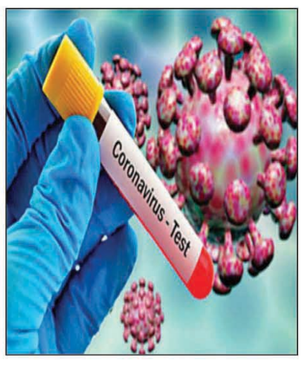

अगस्त माह में कोरोना ने बहुत तेजी से पांव पसारा है। पहले सप्ताह में प्रतिदिन कोरोना के 100 या 150 मरीज ही मिल रहे थे, लेकिन माह के आखिरी सप्ताह में यह आंकड़ा तो 300 को भी पार कर गया। सितंबर माह के शुरू होते ही दूसरे दिन ही सारे पिछले रिकार्ड टूट गए और 376 नए केस मिल गए। अब डॉक्टर बताते हैं कि इस माह में भी कोरोना तेजी से फैलेगा।

मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. जीएस वाजपेई ने बताया कि बुधवार को 60 मरीजों को अस्पताल से डिस्चार्ज किया गया, जबकि तीन मरीजों की मौत हो गई। उन्होंने जनपदवासियों का आह्वान किया है कि जिन्हें बुखार, खांसी, सांस लेने में तकलीफ हो या किसी कोरोना संक्रमित के संपर्क में आए हों तो वह कोरोना की जांच अवश्य करा लें।

कानपुर और हरिद्वार का पानी बढ़ाएगा प्रयाग की परेशानी

हरिद्वार से 41247, नरोरा से 56137 और कानपुर बैराज से 2.59 लाख क्यूसेक छोड़ा गया पानी

प्रयागराज। कानपुर, हरिद्वार और नरौरा से बुधवार को गंगा में 3.56 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया। इसके अलावा केन-बेतवा नदी का पानी भी यमुना में आ रहा है। गुरुवार को यह पानी प्रयागराज पहुंचने की संभावना है। इससे यमुना का जलस्तर बढ़ा तो संभावना है कि बंधवा के लेटे हनुमान मंदिर में पानी पहुंच जाएगा।

गंगा-यमुना का जलस्तर बढने से संगम की तरफ जाने वाली सभी मार्ग बंद हो गए हैं। काली सड़क, हनुमान मार्ग, त्रिवेणी रोड, अक्षयवट मार्ग समेत सभी मार्गों पर आवागमन ठप है। नागवासुकि मंदिर के पास भी पानी पहुंच गया है। वहीं सरस्वती घाट, मनकामेश्वर मंदिर, बलुआघाट स्थित बारादरी की सीढियां जलमग्न हैं। बारादरी के दो गुंबद भी पूरी तरह से डूब चुके हैं। सिंचाई विभाग बाढ़ खंड के अधिशासी अभियंता बृजेश कुमार का कहना है कि हरिद्वार से 41247, नरोरा से 56137 और कानपुर बैराज से 2.59 लाख क्यूसेक पानी बुधवार सुबह छोड़ा गया है। कानपुर बैराज से छोड़ा गया पानी गुरुवार सुबह तक यहां पहुंचेगा। उधर, हमीरपुर जनपद के मौदहा बांध के अधिशासी अभियंता एके निरंजन का कहना है कि इंदौर में भारी बारिश के कारण वहां का पानी आने से चंबल का जलस्तर बढ़ रहा है। चंबल और बेतवा का पानी यमुना में छोड़ा गया है। यही पानी जब गुरुवार सुबह यहां पहुंचेगा तो यमुना भी उफान पर होंगी। झूंसी की तरफ बदरा सोनौटी और मुंशी का पूरा के बीच बड़ा नाला है। गंगा के पानी से यह नाला डूब गया है और पानी गांव की तरफ बढ़ रहा है। वहीं, सलोरी, बघोड़ा, बेली कछार, गंगानगर, राजापुर के कछारी इलाके के लोग भी भयभीत हैं।

गंगा-यमुना का जलस्तर दिनभर घटता-बढ़ता रहा। दोपहर 12 बजे तक दोनों नदियों में 10 सेंटीमीटर की बढ़ोतरी दर्ज की गई थी, जबकि शाम चार बजे दोनों में चार सेंटीमीटर पानी कम हो गया।

उप कृषि निदेशक कार्यालय का निरीक्षण करते जिलाधिकारी

उप कृषि निदेशक कार्यालय का डीएम ने किया औचक निरीक्षण

जिलाधिकारी। भानु चन्द्र गोस्वामी बुधवार को उप कृषि निदेशक कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय उप कृषि निदेशक, श्री विनोद कुमार उपस्थित थे। निरीक्षण के समय कार्यालय में शतप्रतिशत कर्मचारियों की उपस्थिति पायी गयी। कार्यालय में कोविड-19 के दृष्टिगत सैनिटाइजर, साबुन, पानी आदि की समुचित व्यवस्था पायी गयी। कोविड-19 से बचाव हेतु हेल्प डेस्क तथा गाइड लाइन प्रदर्शित की गयी है। कर्मचारियों के बैठने एवं कार्य करने की व्यवस्था सोशल डिस्टेंसिंग के अनुसार करायी गयी है। कार्यालय की साफ-सफाई, अभिलेखों का रख-रखाव समुचित रूप से पाया गया। जिलाधिकारी ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि सहित विभाग से संचालित समस्त योजनाओं के पारदर्शी तरीके से क्रियान्वयन हेतु निर्देश दिया। कार्यालय में आने वाले कृषकों की समस्या के समाधान हेतु हेल्प डेस्क तथा कृषक प्रतीक्षालय की समुचित व्यवस्था पायी गयी। निरीक्षण में उप कृषि निदेशक, कार्यालय की समुचित व्यवस्था, साफ-सफाई एवं कोविड-19 के प्रति जागरूकता पर संतोष व्यक्त किया। कार्यालय को आई0एस0ओ0-9000 प्रमाणपत्र प्राप्त करने की कार्यवाही हेतु निर्देश दिया तथा उप निदेशक, कृषि को निर्देशित किया कि प्रतिदिन कार्यालय की व्यवस्था इसी प्रकार बनाये रखी जाये।

ट्रिपल आईटी में 'भावनात्मक प्रतिभा' पर कार्यशाला 13 सितम्बर से

प्रयागराज। भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, प्रयागराज के प्रबंधन अध्ययन विभाग के और अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) के अटल कार्यक्रम के अंतर्गत ह्लभावनात्मक प्रतिभाह्व विषय पर पांच दिनी कार्यशाला आनलाइन 13 सितम्बर से झलवा परिसर में हो रही है। कार्यक्रम समन्यवक डॉ. प्रज्ञा सिंह ने बताया कि इस कार्यशाला में विशेष तौर पर संकाय सदस्यों को भावनाओं की बुनियादी समझ होना और उनका उचित प्रयोग में लाना प्रमुख लक्ष्य है। भावनात्मक प्रतिज्ञा के क्षेत्र में विकसित करने वाली डिजाइन के बारे में जानकारी प्रदान की जायेगी। उन्होंने बताया कि इसके माध्यम से तनाव को दूर करने, प्रभावशाली संवाद, दूसरों के साथ सहानुभूति रखने जैसी चुनौतियों को सकारात्मक तरीके से उपयोग और प्रबंधन करने की क्षमता का विकास करना है।

भारत विश्व को मित्र बनाकर विश्वयुद्ध होने से बचा रहा है : शंकराचार्य वासुदेवानंद

प्रयागराज। आज पूरे विश्व में शक्ति संतुलन बिगड़ रहा है, अर्थ शक्ति सम्पन्न देश विश्व युद्ध की ओर कदम बढ़ा रहे हैं। ऐसे में भारत विश्व गुरु की भूमिका निभाते हुए विश्व को मित्र बना कर विश्व बंधुत्व के भावना से विश्व युद्ध होने से बचाने का प्रयास कर रहा है।

उक्त विचार श्रीमद्ज्योतिष पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती ने बुधवार को चातुर्मास अनुष्ठान समाप्ति के बाद अपने संदेश में व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि भारत देश हमेशा शांति सद्भावना और अहिंसा का संदेश सम्पूर्ण विश्व को देता रहा है। कहा कि चातुर्मास की अवधि में संतों द्वारा की गई साधना व अनुष्ठान राष्ट्र धर्म को शक्ति प्रदान करेगा।

बुधवार को चातुर्मास अनुष्ठान को पूर्णता प्रदान करते हुए रुद्राभिषेक किया। श्री ब्रह्म निवास भगवान आदि शंकराचार्य मंदिर में स्थापित देवताओं की पूजा आरती कर भोग अर्पित किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से ज्योतिष्पीठ संस्कृत महाविद्यालय के पूर्व प्रधानाचार्य पंडित सीर्वाचन उपाध्याय, पंडित अभिषेक, पंडित विपिन, दंडी संन्यासी शंकरसनंद एवं धनंजय बाबा सहित 21 वेद पाठी विद्वान सहित प्रवक्ता ओंकार नाथ त्रिपाठी सम्मिलित रहे।

चातुर्मास अनुष्ठान समाप्ति करते जगद्गुरू शंकराचार्य वासुदेवानंद

तकनीकी कारणों से रोका काउंसिलिंग का परिणाम

प्रयागराज। उच्च शिक्षा निदेशालय ने असिस्टेंट प्रोफेसर समाजशास्त्र की काउंसलिंग का परिणाम तकनीकी कारणों से रोक दिया है। निदेशक डॉ. वंदना शर्मा की ओर से जारी सूचना में यह जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि परिणाम जारी होने की अग्रिम तिथि के बारे में अभ्यर्थियों को वेबसाइट के माध्यम से जानकारी दी जाएगी। उन्होंने अपील की है कि काउंसिलिंग में शामिल अभ्यर्थी निदेशालय की वेबसाइट का निरंतर अवलोकन करते रहें। हालांकि उनकी ओर से जारी सूचना में परिणाम रोके जाने का कारण स्पष्ट नहीं किया गया है पर सूत्रों के मुताबिक उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग ने 42 महिला अभ्यर्थियों का परिणाम अलग से भेज दिया था। पूर्व में ऐसा नहीं होता था इसलिए काउंसिलिंग में इसकी व्यवस्था नहीं की गई थी। इस वजह से तकनीकी अड़चन उत्पन्न हो गई। अब इसे ठीक करने के लिए एनआईसी को पत्र लिखा गया है। साथ ही शासन को भी इस बारे में जानकारी दी गई है।

13 व 14 को कांग्रेस पार्टी कराएगी क्विज प्रतियोगिता

प्रयागराज। प्रयागराज में कांग्रेस पार्टी की ओर से 13 व 14 सितंबर को ऑनलाइन प्रतियोगिता सम्पन्न होगी। यह प्रतियोगिता भारत के सशक्तीकरण में महान योगदान देने वाले भारत रत्न स्व0 राजीव गांधीजी की 75वीं जयंती पर शुरू सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता 13 व 14 सितम्बर को ऑनलाइन होगी। कांग्रेस पार्टी के जिला अध्यक्ष गंगापार राम किशुन सिंह पटेल ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए बताया कि यह कार्यक्रम बहुत ही दिव्यता और भव्यता के साथ संपन्न होता था। इस कार्यक्रम में काफी संख्या में युवा भाग लेते थे पर इस बार कोरोना काल की वजह से पार्टी ने ऑनलाइन प्रतियोगिता कराने का निर्णय लिया है। प्रतियोगिता का शीर्षक है....राजीव गाँधी 'मैं युवा हुं और मेरा भी एक सपना है' इस पर प्रतियोगिता संपन्न होगा। भारत के सशक्तीकरण पर आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता रखा गया है। प्रतियोगिता से जुड़ने के लिए लिए हमारी वेबसाइट www.yuvajosh.in पर रजिस्ट्रेशन करें। 30 मिनट में 60 सवाल के जवाब देने होंगे। विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा। कांग्रेस जिला अध्यक्ष राम किशुन सिंह पटेल ने युवाओं से अपील किया है कि इस कार्यक्रम में कोरोना को मात देते हुए बढ़-चढ़कर के हिस्सा लें। इस प्रतियोगिता में आयु सीमा 16 से 22 वर्ष रखी गयी है। इस अवसर जिलाध्यक्ष रामकिशुन सिंह पटेल, शहर अध्यक्ष नफीस अनवर, जिलाध्यक्ष महिला कांग्रेस खुशनवेदा फारुखी, शहर अध्यक्ष महिला कांग्रेस अल्पना निषाद, उपाध्यक्ष मीरा देवी, कल्याणी निषाद, अखिलेश यादव, गीता देवी आदि रहे।

प्रेस वार्ता के दौरान गंगापार जिलाध्यक्ष रामकिशुन सिंह पटेल

संगम से स्नान करके लौट रहे वृद्ध की सड़क हादसे में मौत

प्रयागराज। दारागंज थाना क्षेत्र के परेड ग्राउंड में बुधवार दोपहर संगम स्नान करके लौट रहे दोपहिया वाहन सवार वृद्ध की कार की टक्कर से मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की। देवरिया जनपद के कोतवाली क्षेत्र में सीसीरोड निवासी विमल बिहारी सिन्हा (75) अपने दामाद अभिषेक श्रीवास्तव निवासी सिविल लाइंस के घर आए थे। बुधवार की सुबह अपने दामाद के साथ गंगा स्नान करने के लिए दोपहिया वाहन से गये थे। वापस लौटते समय रास्ते में परेड ग्राउंड में एक कार ने उनकी गाड़ी में टक्कर मार दी। टक्कर से विमल बिहारी सिन्हा गम्भीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने उपचार के लिए स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय ले गई, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतक के परिजनों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज करके विधिक कार्रवाई की। अपर पुलिस अधीक्षक नगर दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि बुधवार सुबह गंगा स्नान करके लौटते समय कार की टक्कर से एक वृद्ध की मौत हुई है।

अखण्ड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम कियायोग आश्रम एवं अनुसंधान सस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम

पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं0: UPHIN2001/9025

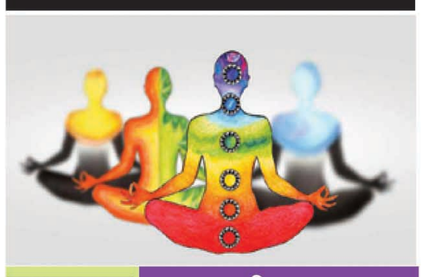

प्रयागराज गुरूवार, 3 सितम्बर, 2020

क्रियायोग सन्देश

हृदय 'चित्त' है और इसे ही 'नाभि केंद्र' कहते हैं

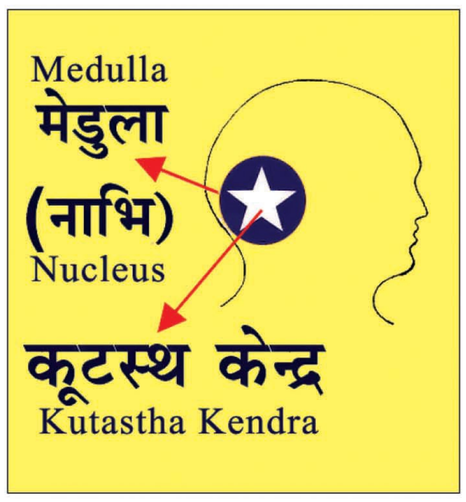

शास्त्रों में हृदय के बारे में वर्णन किया गया है। यह वह हृदय नहीं है जो चिकित्सा विज्ञान में रुधिर परिसंचरण (**circulatory**) तंत्र का भाग है। चिकित्सा विज्ञान में, यह वर्णित है कि हृदय एक मुट्ठी के आकार के एक मांसपेशियों का बना अंग है , जो छाती के हड्डी के पीछे और थोड़ा बाय तरफ स्थित है यह पूरी शरीर में रक्त को पंप करता है। इसे कार्डियो वैसकुलर सिस्टम (रुधिर संचरण हृदय प्रणाली तन्त्र) कहा जाता है ।

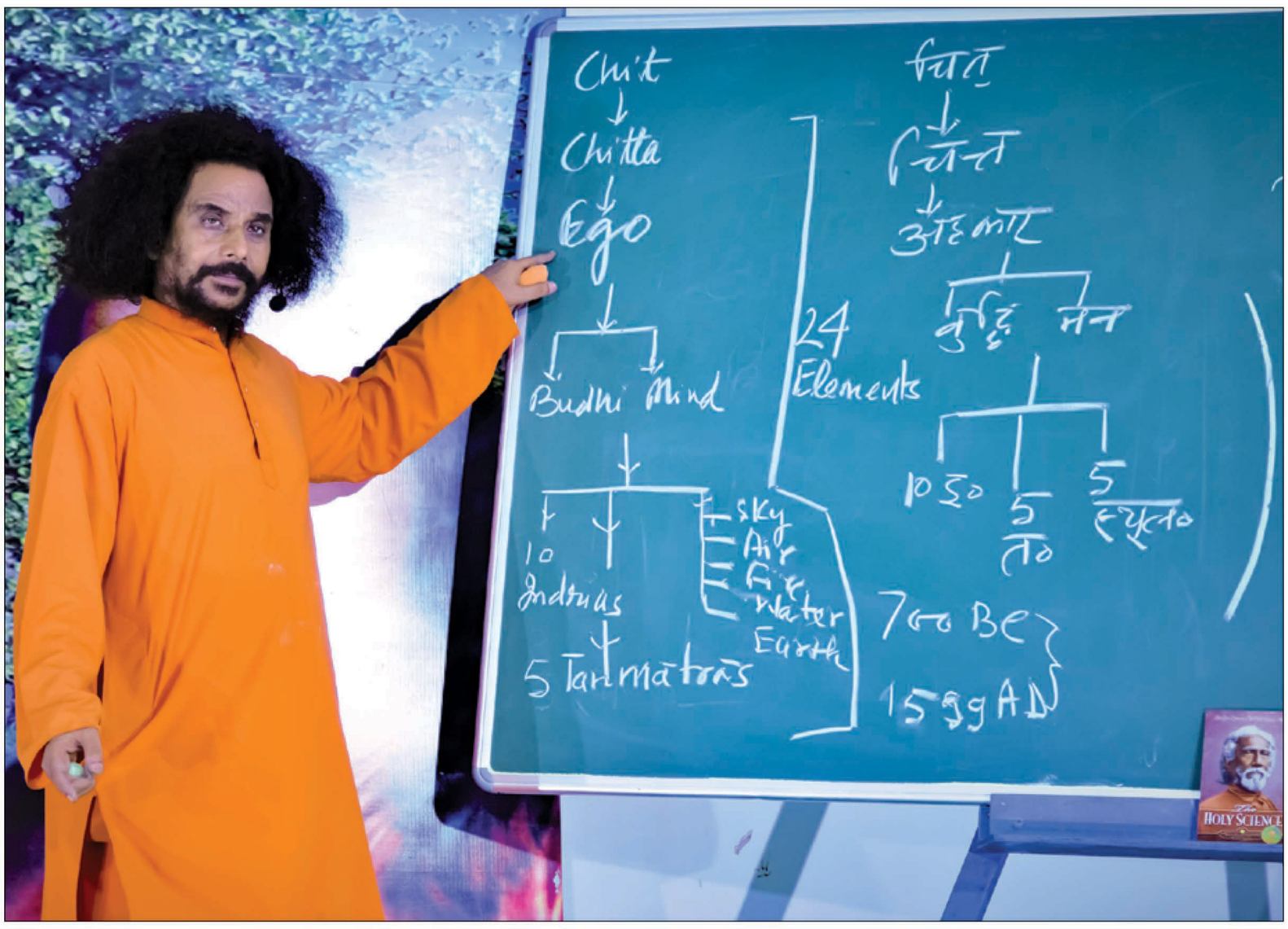

आध्यात्मिक विज्ञान में हृदय को चित्त (आनंद की सीट) कहते है। इसे महत तत्व कहते हैं । हृदय तत्व हमारे शरीर का प्रमुख केन्द्र (प्राइम सेन्टर) है और इसे नाभि केंद्र भी कहा जाता है। यह केंद्र हमारे भौतिक शरीर में प्रमुख नाड़ियों का जंक्शन है । इसे ब्रह्मा का स्थान कहा जाता है ।अपने हृदय (चित्त) पर ध्यान केंद्रित करके, हम कुतस्थ चेतना (ईश्वर के सर्वज्ञ प्रेम) का अनुभव करते हैं। चित्त (हृदय) को महत तत्व के नाम से भी जाना जाता है। महत तत्व (चित्त) को सृष्टि मुख कहते है, यही से चित्त की प्रवृत्तियां प्रकट होती हैं। क्रियायोग अभ्यास से हमें चित्त वृत्तियों की रचना और चित्त द्वारा सम्पादित क्रियाकलापों के बारे में ज्ञान अनुभव करते हैं । इस अवस्था के बाद हम चित्त वृत्तियों का सही नियंत्रण सीखते हैं। इसी को ही चित्तवृत्ति निरोध कहां जाता है।

SPIRITUAL HEART MEANS "Chitta" - THE NUCLEUS OF SELF (Naabhi)

The heart (हृदय) as described in scriptures and in religious texts is misunderstood by many persons. They imagine that the word "heart" in spiritual texts is the same as what is described in the circulatory system in medical science.

In medical science, the heart is described as a muscular organ about the size of a fist, located just behind and slightly left of the breastbone. The heart pumps blood through the network of arteries and veins, and together they are known as the cardiovascular system.

The word "Heart" in spiritual texts represents Chitta (चित्त), the seat of Bliss. It is the prime center in our visible self. It is referred to as the Nabhi kendra (नाभि केंद्र) which means nucleus. This nucleus is the junction of the principal nerves of our physical body. It is also called seat of Brahma. By concentrating on our heart (Chitta), we experience Kutastha Consciousness (Omniscient Love of God). Chitta (heart) is also known as Mahat Tattva (महत्तत्व).

From Chitta, 23 creations are born: Ego (consciousness of Jiva), wisdom, mind , five sense organs, five organs of action, five tanmatras, five gross elements (sky, air, fire, water, earth). These twenty-three creations (23 elements) are known as Chitta-vritti (चित्त-वृत्ति).

Kriyayoga practice awakens the knowledge of structure and function of Chitta-vritti. Through regular and sincere practice, we learn perfect control of Chitta-vritti. This is known as Chitta-vritti nirodhah (योगश्चित्तवृत्तिनिरोधः - योगः, चित्त, वृत्ति, निरोधः)

KRIYAYOGA CAMP AT MAGH MELA 2020